B.M.A. College, Baheri, Darbhanga
Date: 15/9/2[illegible]

Deptt. of Sociology
B.A (Socio. Hons) Part- II
Paper- IV (सामाजिक अनुसंधान)

By Dr. Rajesh [illegible]
Sociology

विषय: साक्षात्कार एवं इसकी विशेषता

साक्षात्कार अनुसंधान की एक महत्वपूर्ण विधि है। अनुसंधानकर्ता उत्तरदाता से विषय से सम्बन्धित बातचीत करके, उनकी भावनाओं, विचारों तथा उनके मन में होने वाली प्रतिक्रियाओं को उन्हीं की जुबानी सुनकर उन्हें आँकड़ों में व्यक्त करता है। दूसरे शब्दों में हम दो या दो से अधिक भी कह सकते हैं कि साक्षात्कार दो या दो से अधिक व्यक्ति के बीच एक वार्तालाप है या विचार-विमर्श है जो किसी निश्चित उद्देश्य के निमित्त किया जाता है। वह पूर्व नियोजित एवं पूर्व निर्धारित होता है तथा वह स्वतंत्र एवं सौहार्द वातावरण में संपन्न होता है। पालिन यंग के अनुसार "साक्षात्कार एक ऐसी क्रमबद्ध विधि है जिसके द्वारा एक व्यक्ति करीब-करीब अपनी कल्पना के द्वारा अपेक्षाकृत अपरिचित के जीवन में प्रवेश करता है।

इसके निम्न विशेषताएँ हैं:-

- व्यक्तिगत संपर्क: यह एक आमने-सामने का वार्तालाप है जो मौखिक आधार पर विचारों का आदान प्रदान करते हैं।
- समान परिस्थिति: इसमें प्रायः दोनों की स्थिति समान होती।
- मौखिक आदान-प्रदान: दोनों के बीच प्रश्न एवं उत्तर का मौखिक आदान प्रदान होता है।
- सूचना का संग्रहण: साक्षात्कार कर्ता के द्वारा सूचना को या तो रिकार्डिंग या नोट किया जाता है।
- अपरिचित सम्बन्ध: दोनों के बीच सम्बन्ध अनजान का होता है।
- दो या दो से अधिक साक्षात्कारकर्ता या उत्तरदाता: साक्षात्कार में दो या दो से अधिक उत्तरदाता हो सकते हैं जबकि समूह बड़ा हो तो दो से अधिक साक्षात्कार-कर्ता भी हो सकते हैं।